Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

19 जुलाई 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. अर्जुन राम मेघवाल ने 18 जुलाई 2025 को शास्त्री भवन में महिला कर्मचारियों के लिए 'महिला आरोग्य कक्ष' का उद्घाटन किया।

18 जुलाई 2025 को, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में विधि कार्य विभाग (Department of Legal Affairs) की महिला कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से स्थापित एक स्वास्थ्य, फिटनेस और वेलनेस केंद्र 'महिला आरोग्यम कक्ष' (Mahila Aarogyam Kaksh) का उद्घाटन किया। यह पहल विधि एवं न्याय मंत्रालय (Ministry of Law & Justice) के अंतर्गत शुरू की गई है।

- **शास्त्री भवन में पहले से बंद पड़े एक गैराज को जिम उपकरणों और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एक निजी स्तनपान कक्ष से सुसज्जित एक जीवंत स्थान में बदल दिया गया है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन सरकारी कार्यस्थलों में लिंग-संवेदनशील डिज़ाइन की ओर एक बदलाव का प्रतीक है।**

- **अपनी तरह की यह पहली सुविधा, फिट इंडिया मूवमेंट और विकसित भारत विज़न जैसी राष्ट्रीय पहलों के साथ तालमेल बिठाते हुए, सरकारी गलियारों में कर्मचारियों के स्वास्थ्य को औपचारिक रूप देती है। इसका उद्देश्य महिला अधिकारियों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना है।**

- **अपने संबोधन में, श्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि समावेशी और प्रगतिशील भारत के लिए महिलाओं का स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "हम फिट तो इंडिया फिट" अभियान के अनुरूप बताया और इसके पूर्ण उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया।**

Key Points:-

(i) विधि सचिव डॉ. अंजू राठी राणा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रतिस्पर्धात्मक ज़िम्मेदारियों के कारण महिलाएँ अक्सर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा कर देती हैं। उन्होंने कहा कि 'महिला आरोग्यम कक्ष' की स्थापना एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि आत्म-देखभाल स्वार्थ का कार्य नहीं, बल्कि सच्चे सशक्तिकरण की आधारशिला है। उन्होंने महिलाओं के लिए एक सहायक और समावेशी कार्यस्थल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए विधि मामलों के विभाग की अटूट प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

(ii) अधिकारियों ने कहा कि कक्ष एक सुविधा से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करता है - यह नौकरशाही क्षेत्रों से मानव-केंद्रित वातावरण में कर्मचारियों की समग्र आवश्यकताओं को स्वीकार करते हुए एक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत देता है।

(iii) यह केंद्र कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के माध्यम से सहयोग की योजनाओं के साथ, विभिन्न मंत्रालयों में अनुकरण हेतु एक खाका तैयार करेगा। यह स्वास्थ्य और लैंगिक समानता से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने की दिशा में भारत के प्रयासों का एक हिस्सा है।

2. प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के मोतिहारी में 7,200 करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचे के पैकेज का शुभारंभ किया।

18 जुलाई 2025 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में ₹7,200 करोड़ से अधिक की बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये रणनीतिक विकास परियोजनाएँ रेल, सड़क, आईटी, मत्स्य पालन और ग्रामीण आवास क्षेत्रों में फैली हुई थीं, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय आर्थिक विकास था।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने कई प्रमुख रेल परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिनमें दरभंगा-नरकटियागंज लाइन (₹4,080 करोड़), जो दरभंगा-समस्तीपुर परियोजना का एक खंड है, का दोहरीकरण और समस्तीपुर-बछवाड़ा तथा भटनी-छपरा ग्रामीण मार्गों के बीच स्वचालित सिग्नलिंग उन्नयन शामिल हैं। इन सुधारों से ट्रेनों की आवृत्ति और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।**

- **मोदी ने प्रमुख क्षेत्रीय गलियारों को जोड़ने वाली चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई: राजेंद्र नगर (पटना)-नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार, दरभंगा-लखनऊ (गोमती नगर), और भागलपुर के रास्ते मालदा टाउन-लखनऊ, जिससे यात्री सुविधा और क्षेत्रीय संपर्क दोनों में सुधार होगा।**

- **उन्होंने आरा बाईपास (NH-319) और परारिया-मोहनिया खंड (₹820 करोड़) के चार लेन के निर्माण का उद्घाटन किया, जो स्वर्णिम चतुर्भुज से जुड़ने वाले NH-319 का एक हिस्सा है। इसके अलावा, अंतर-राज्यीय माल ढुलाई को सुगम बनाने के लिए NH-333C पर सरवन से चकाई तक पक्के शोल्डर वाली दो लेन की सड़क का भी उद्घाटन किया गया।**

Key Points:-

(i) नरेंद्र मोदी ने दरभंगा में एक नया सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (STPI) सुविधा और पटना में एक स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर खोला, जिसका उद्देश्य स्थानीय IT/ITES/ESDM उद्योग के विकास को बढ़ावा देना, स्टार्टअप को समर्थन देना और बिहार को भारत के डिजिटल और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करना है।

(ii) प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत कई मत्स्य पालन परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें आधुनिक हैचरी, सजावटी मछली इकाइयां और फीड मिलें शामिल हैं।

(iii) इसके अतिरिक्त, PM आवास योजना-ग्रामीण के तहत 40,000 ग्रामीण आवास लाभार्थियों के लिए 160 करोड़ रुपये जारी किए गए, DAY-NRLM के तहत 61,500 महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों के लिए 400 करोड़ रुपये जारी किए गए, और 12,000 ग्रामीण घरों की चाबियां सौंपी गईं - ये सभी समावेशी विकास पर जोर देते हैं।

3. डॉ. जितेंद्र सिंह ने मिशन कर्मयोगी के तहत सिविल सेवा प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के लिए NSCSTI 2.0 का शुभारंभ किया।

18 जुलाई 2025 को, केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने सिविल सेवा प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के लिए दिल्ली के सिविल सेवा अधिकारी संस्थान (CSOI) में सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए अद्यतन राष्ट्रीय मानक (NSCSTI) 2.0 का शुभारंभ किया।

- **मिशन कर्मयोगी के तहत क्षमता निर्माण आयोग (CBC) द्वारा विकसित NSCSTI 2.0, मूल्यांकन मैट्रिक्स को 59 से घटाकर 43 कर देता है। यह परिणाम-आधारित और हाइब्रिड प्रशिक्षण मॉडल पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे संस्थानों को स्पष्ट और कुशलतापूर्वक प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाया जाता है।**

- **160 से अधिक सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों (CSTIs) और डोमेन विशेषज्ञों के परामर्श पर निर्मित यह ढांचा केंद्रीय, राज्य और शहरी स्थानीय निकाय (ULB) संस्थानों का समर्थन करता है, जिससे यह शासन पारिस्थितिकी प्रणालियों में अनुकूलनीय और प्रदर्शन-केंद्रित हो जाता है।**

- **NSCSTI 2.0 में AI-सक्षम मूल्यांकन, हाइब्रिड शिक्षण उपकरण शामिल हैं, तथा इसमें कर्मयोगी योग्यता मॉडल (KCM), भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) और अमृत ज्ञान कोष (AGK) ज्ञान भंडार को एकीकृत किया गया है - जिसका लक्ष्य भविष्य के लिए तैयार, नागरिक-केंद्रित नौकरशाही बनाना है।**

Key Points:-

(i) डॉ. जितेंद्र सिंह ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच की दूरियों को दूर करने पर ज़ोर दिया, जिससे नागरिक प्रशिक्षण को समृद्ध बनाने के लिए दोनों क्षेत्रों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया जा सके। उन्होंने सहकारी, प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के साथ समानताएँ बताईं।

(ii) मिशन कर्मयोगी की सफलता ने बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और मालदीव जैसे देशों की रुचि को आकर्षित किया है, जिससे सिविल सेवा सुधार में वैश्विक नेता के रूप में भारत की भूमिका और मज़बूत हुई है। NSCSTI 2.0 इस शासन कूटनीति को और मज़बूत करता है।

(iii) दो वर्षों में NSCSTI के तहत 195 से अधिक CSTIs को मान्यता प्रदान करने के साथ, संशोधित 2.0 ढांचा मान्यता पोर्टल को पुनः सक्रिय करता है, अंतर-संस्थागत शिक्षा को बढ़ावा देता है, तथा मान्यता को नवाचार और प्रशिक्षण उत्कृष्टता के चालक के रूप में पुनः परिभाषित करता है।

4. ASI ने मिजोरम के 'लुंगफुन रोपुई' को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया।

जुलाई 2025 में, संस्कृति मंत्रालय (MoC) के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने मिज़ोरम के चम्फाई ज़िले में स्थित लियानपुई गाँव में स्थित लुंगफुन रोपुई

को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय महत्व का स्मारक (MNI) घोषित किया। यह पदनाम प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम (AMASR अधिनियम, 1958) के तहत दिया गया है।

• लुंगफुन रोपुई, मिज़ोरम में राष्ट्रीय महत्व का दर्जा पाने वाला दूसरा मेनहिर स्थल बन गया है। इससे पहले वांगछिया (जिसे कवथछुआ रोपुई भी कहा जाता है) को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा मिला था। यह इस क्षेत्र के मेनहिर स्थलों के सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व को दर्शाता है।

• इस स्थल को बहुराष्ट्रीय संग्रहालय घोषित करने के अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) लुंगफुन रोपुई के आसपास बाड़, रास्ते, शौचालय और पेयजल सुविधाएँ जोड़कर बुनियादी ढाँचे में सुधार करने की योजना बना रहा है। इन उपायों का उद्देश्य इस स्थल की विरासत की रक्षा करते हुए क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है।

• लुंगफुन रोपुई का नाम इसके संस्थापक और लुसेई प्रमुख लियानपुइया के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 18वीं शताब्दी की शुरुआत में इस गाँव की स्थापना की थी। इस गाँव की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत समृद्ध है, जो मिज़ो लोगों की जड़ों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

Key Points:-

(i) लुंगफुन रोपुई गाँव की स्थापना मूल रूप से मुआलबाक में हुई थी, और बाद में इसे वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। गाँव का यह परिवर्तन क्षेत्र की बदलती गतिशीलता और समय के साथ इस स्थल के महत्व को दर्शाता है।

(ii) लुंगफुन रोपुई अपने मेनहिरों के लिए प्रसिद्ध है, जो नक्काशीदार पत्थर की संरचनाएँ हैं। ये मेनहिर मिज़ो लोगों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक प्रथाओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं, खासकर ईसाई धर्म के आगमन से पहले।

(iii) वर्तमान में, इस स्थल पर 170 से अधिक उत्कीर्ण मेनहिर हैं, जिनमें योद्धाओं, शिकार के दृश्यों, संगीत और सांप्रदायिक किंवदंतियों के चित्र अंकित हैं। ये नक्काशी मिज़ो समुदाय की सांस्कृतिक प्रथाओं और मान्यताओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं।

5. DGFT ने नई दिल्ली में 71वें भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले और 16वें खिलौना व्यापार अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो में 'ट्रेड कनेक्ट' ई-प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

जुलाई 2025 में, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (MoC&I) के अंतर्गत विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) ने दो प्रमुख व्यावसायिक प्रदर्शनियों—71वें भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले (IIGF) और 16वें टॉय बिज़नेस इंटरनेशनल एक्सपो—के दौरान अपनी नई डिजिटल पहल, "ट्रेड कनेक्ट" ई-प्लेटफ़ॉर्म का आधिकारिक शुभारंभ किया।

• भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले (IIGF) के 71वें संस्करण का उद्घाटन 1 जुलाई, 2025 को केंद्रीय राज्य मंत्री (MoS) पबित्रा मार्गेरिटा द्वारा किया गया, जो कपड़ा मंत्रालय (MoT) और विदेश मंत्रालय (MEA) का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

• उद्घाटन नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में हुआ, जो भारत के सबसे बड़े प्रदर्शनी स्थलों में से एक है।

• 16वां टॉय बिज़ इंटरनेशनल एक्सपो 2025, टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित किया गया था और 4 जुलाई से 7 जुलाई, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह एक्सपो भारतीय खिलौना निर्माताओं को अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों से जोड़ने और 'मेक इन इंडिया' तथा 'टॉयकोनॉमी' मिशन के तहत निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।

Key Points:-

(i) इन आयोजनों के दौरान DGFT द्वारा अनावरण किया गया "ट्रेड कनेक्ट" ई-प्लेटफ़ॉर्म, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक केंद्रीकृत डिजिटल प्रणाली है। यह भारतीय निर्यातकों के लिए वास्तविक समय के व्यापार डेटा, प्रमाणन सेवाओं, टैरिफ-संबंधी जानकारी और ई-कॉमर्स सहायता तक पहुँच के लिए एक वन-स्टॉप केंद्र प्रदान करता है।

(ii) यह प्लेटफ़ॉर्म एक एकीकृत व्यापार सूचना और सुविधा पोर्टल के रूप में कार्य करता है। यह निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार के रुझानों, आगामी व्यापार मेलों और सरकारी प्रमाणपत्रों पर लाइव अपडेट प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, जिससे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक निर्यात परिदृश्य में समय पर और सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है।

(iii) इसके अतिरिक्त, "ट्रेड कनेक्ट" पोर्टल मूल अधिमान्य और गैर-अधिमान्य दोनों प्रमाण पत्रों (CoO) के जारी करने और सत्यापन के लिए एक सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के रूप में भी कार्य करता है, जो निर्यातकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाता है और व्यापार करने में आसानी और डिजिटल शासन पर सरकार के फोकस के साथ संरेखित करता है।

INTERNATIONAL

1. UNESCO विश्व विरासत परिषद (WHC) ने पेरिस, फ्रांस में आयोजित 47वें सत्र में विश्व धरोहर सूची में 26 नए स्थलों को शामिल किया।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की विश्व धरोहर समिति (WHC) के 47वें सत्र का आयोजन 6 से 16 जुलाई 2025 तक पेरिस, फ्रांस में किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता बुल्गारिया के प्रोफेसर निकोलाय नीनोव ने की। इस वैश्विक आयोजन में 170 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

• इस सत्र के दौरान समिति ने 26 नई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों को सूची में शामिल किया, जिनमें 21 सांस्कृतिक, 4 प्राकृतिक और 1 मिश्रित धरोहर शामिल हैं। इसके साथ ही दो पूर्व-सूचित साइटों के विस्तार को भी मंज़ूरी दी गई, जिससे विश्व धरोहर स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 1,248 हो गई। यह UNESCO की वैश्विक विरासत संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

• भारत के लिए यह सत्र विशेष रूप से गौरवपूर्ण रहा क्योंकि मराठा सैन्य परिदृश्य को भारत की 44वीं विश्व धरोहर साइट के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। ये परिदृश्य मराठा साम्राज्य की सैन्य रणनीति, किलेबंदी और स्थापत्य कौशल को दर्शाते हैं और भारत के समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैभव का प्रमाण हैं।

Key Points:-

(i) अफ्रीका ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की जब चार नए स्थलों को सूची में शामिल किया गया, जिससे महाद्वीप के कुल यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की संख्या बढ़कर 112 हो गई। इसमें गिनी-बिसाऊ (ओमाती मिन्हो) और सिएरा लियोन (गोला-तिवाई) के भी पहली बार शामिल होने की जानकारी शामिल है, जो विश्व धरोहर ढांचे में उनकी आधिकारिक शुरुआत है। ये मान्यताएँ अफ्रीका की पर्यावरणीय और सांस्कृतिक समृद्धि की ओर लंबे समय से प्रतीक्षित ध्यान आकर्षित करती हैं।

(ii) समिति ने गंभीर खतरों और उपेक्षा के कारण तीन अफ्रीकी स्थलों को सूची से हटाने का भी उल्लेखनीय निर्णय लिया। इनमें अत्सिनानाना (मेडागास्कर), अबू मेना (मिस्र) और घादामेस (लीबिया) के वर्षावन शामिल थे, जिन्हें संकटग्रस्त विश्व धरोहर सूची से हटा दिया गया, जिससे संघर्ष और पर्यावरणीय क्षरण के दौर में धरोहर संरक्षण की चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

(iii) इस वर्ष शामिल की गई लगभग एक-तिहाई साइटें प्रागैतिहासिक काल से संबंधित हैं। इनमें ब्राज़ील की पेरुकाकू नदी घाटी, फ्रांस के कार्नक के मेगालिथ, और दक्षिण कोरिया की बंगचुंगियन नदी के पेट्रोग्लिफ्स प्रमुख हैं। ये स्थल मानव इतिहास की शुरुआती झलक देते हैं और पुरातात्विक शोध के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

MOUs and Agreement

1. DoP ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के KYC सत्यापन को सरल बनाने के लिए AMFI के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

17 जुलाई 2025 को, संचार मंत्रालय के तहत डाक विभाग (DoP) ने मुंबई में एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य भारत के डाक नेटवर्क के माध्यम से 24 करोड़ से अधिक म्यूचुअल फंड फोलियो के लिए अपने ग्राहक को जानें (KYC) प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है।

- **इस समझौता ज्ञापन पर मुंबई में डाक विभाग की महाप्रबंधक (व्यावसायिक विकास) मनीषा बंसल बादल और AMFI के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी.एन. चलसानी ने हस्ताक्षर किए, जो सार्वजनिक अवसंरचना नेटवर्क और म्यूचुअल फंड उद्योग के बीच एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है।**

- **इस समझौते के तहत देशभर में 1.64 लाख से अधिक डाकघरों का उपयोग लगभग 24.13 करोड़ म्यूचुअल फंड फोलियो के लिए KYC परिचालनों को समर्थन देने के लिए किया जाएगा - जिसमें इक्विटी, हाइब्रिड और समाधान-उन्मुख योजनाओं के तहत 19.04 करोड़ फोलियो शामिल हैं।**

- **उद्योग में तेजी से हो रही वृद्धि के साथ - वित्त वर्ष 23 में 4 मिलियन निवेशक, वित्त वर्ष 24 में 6.9 मिलियन और वित्त वर्ष 25 में 9.7 मिलियन निवेशक जुड़े - इस पहल का उद्देश्य नए और पुराने निवेशकों, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में, KYC अनुपालन को सरल बनाना है।**

Key Points:-

(i) प्रशिक्षित भारतीय डाक कर्मचारी म्यूचुअल फंड निवेशकों को KYC (अपने ग्राहक को जानें) फॉर्म भरने, दस्तावेजों का सत्यापन और सत्यापन करने और उन्हें एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को भेजने में सहायता करेंगे। AMFI (भारतीय म्यूचुअल फंड संघ) सत्यापन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए KYC पंजीकरण एजेंसियों (KRAs) के साथ समन्वय करेगा।

(ii) यह समझौता ज्ञापन वित्तीय समावेशन को व्यापक बनाने, विशेष रूप से अर्ध-शहरी और ग्रामीण भारत में, अनुपालन अंतराल को पाटने और निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए व्यापक डाक पहुंच का लाभ उठाकर सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

(iii) एक वर्षीय समझौते - जो जुलाई 2025 से वैध है और नवीकरणीय है - में SEBI अनुपालन, डेटा गोपनीयता और ग्राहक दस्तावेजों के सुरक्षित संचालन के लिए सख्त प्रावधान शामिल हैं, जो इसे भविष्य के सार्वजनिक-निजी वित्तीय सेवा सहयोग के लिए एक स्केलेबल मॉडल के रूप में स्थापित करता है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. यूलिया अनातोलीवना स्विरीडेन्को को यूक्रेन का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

जुलाई 2025 में, यूलिया अनातोलीवना स्विरीडेंको को यूक्रेन की संसद द्वारा डेनिस श्म्यहाल की जगह नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। 450 में से 262 वोट हासिल करने के बाद, वह यूक्रेन की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं।

- **यूलिया स्विरीडेंको पहले यूक्रेन की प्रथम उप-प्रधानमंत्री और अर्थव्यवस्था मंत्री थीं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति को कीव में आयोजित संसदीय सत्र में बहुमत से समर्थन मिला, जिसमें 262 सांसदों ने पक्ष में, 22 ने विपक्ष में और 26 ने मतदान में भाग नहीं लिया।**

- **डेनिस श्म्यहाल के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने स्विरीडेंको को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया। यह बदलाव यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के बीच एक बड़े नेतृत्व फेरबदल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य घरेलू नीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मज़बूत करना है।**

Key Points:-

(i) यूलिया अनातोलिवना स्विरीडेंको एक प्रशिक्षित अर्थशास्त्री हैं, जिन्होंने 2015 में चेर्निहीव ओब्लास्ट के आर्थिक विकास प्रमुख के रूप में अपना सार्वजनिक सेवा करियर शुरू किया था। 2021 से, उन्होंने राष्ट्रपति कार्यालय के उप प्रमुख और प्रथम उप-प्रधानमंत्री सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है, और आर्थिक सुधार और शासन में सुधारों का नेतृत्व किया है।

(ii) प्रथम उप-प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने युद्धोत्तर पुनर्निर्माण पहलों की शुरुआत करने, अंतर्राष्ट्रीय निवेश को बढ़ावा देने, रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और नागरिक सहायता कार्यक्रमों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आर्थिक कूटनीति, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ, पर बातचीत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(iii) उनकी नियुक्ति के साथ ही, डेनिस श्म्यहाल को रक्षा मंत्री बनाया गया है, और पूर्व रक्षा मंत्री रुस्तम

उमरोव अब संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव बनी रहेगी, और इसकी राष्ट्रीय मुद्रा यूक्रेनी रिव्निया (UAH) है।

SPORTS

1. श्रीहरि नटराज और बी. बेनेडिक्शन रोहित ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों में तैराकी के नए मानक स्थापित किए।

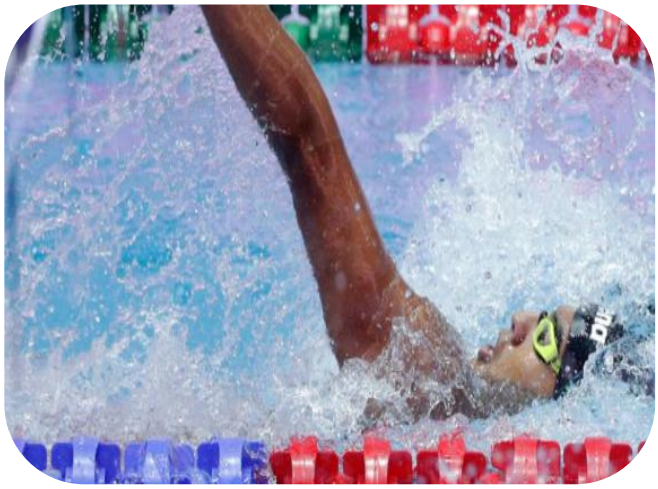

बर्लिन में 2025 FISU विश्व विश्वविद्यालय खेलों (17-23 जुलाई 2025) में, भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज और बेनेडिक्शन रोहित ने प्रभावशाली नए राष्ट्रीय मानक स्थापित किए। नटराज ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल (49.46 सेकंड) और 200 मीटर फ्रीस्टाइल (1:48.11 सेकंड) दोनों में भारत के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज करके अपना नाम दर्ज कराया।

- **श्रीहरि नटराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल हीट में 49.46 सेकंड का समय निकाला - जो कि वीरधवल खाड़े के 2008 के 49.47 सेकंड के रिकॉर्ड से 0.01 सेकंड कम है - और इस प्रकार उन्होंने इस स्पर्धा में भारत का अब तक का सबसे तेज समय स्थापित किया।**

- **अपनी पिछली सफलता को आगे बढ़ाते हुए, नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल सेमीफाइनल में 1:48.11 सेकंड के समय के साथ अपने ही राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर बनाया, जो उनके हीट समय 1:48.22 सेकंड से बेहतर था, जो उल्लेखनीय स्थिरता और विकास को दर्शाता है।**

- **उनके प्रभावशाली तैराकी प्रदर्शन—100 मीटर में 12वां स्थान—ने दोनों ही दौड़ों में सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। हालाँकि फाइनल से मामूली अंतर से चूक गए, लेकिन इन परिणामों ने नटराज को आगामी विश्व तैराकी चैंपियनशिप के लिए B-क्वालीफिकेशन मानक हासिल करने में भी मदद की।**

Key Points:-

(i) इससे पहले प्रतियोगिता में, बी. बेनेडिक्शन रोहित ने भी 50 मीटर बटरफ्लाई में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए, कुल मिलाकर 13वां स्थान हासिल किया और नटराज के रिकॉर्ड-सेटिंग कौशल की बराबरी की।

(ii) ये लगातार शानदार प्रदर्शन वैश्विक तैराकी में भारत की बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित करते हैं। श्रीहरि नटराज के नाम अब स्प्रिंट और लंबी फ्रीस्टाइल दूरियों में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं, जो इस खेल में एक पुनर्जागरण का प्रतीक है।

(iii) 2001 में बेंगलुरु में जन्मे श्रीहरि दो बार के ओलंपियन हैं—टोक्यो 2020 और पेरिस 2024—जिन्हें निहार अमीन ने प्रशिक्षित किया है। 38वें राष्ट्रीय खेलों और अब यूनिवर्सियाड में उनका दबदबा अंतरराष्ट्रीय तैराकी में उनके उभरते सितारे की ओर इशारा करता है।

AWARDS

1. HDFC बैंक रिपोर्ट: शशिधर जगदीशन वित्त वर्ष 2025 में ₹12.08 करोड़ वेतन के साथ भारत के सबसे अधिक वेतन पाने वाले बैंकर बने।

HDFC बैंक लिमिटेड द्वारा जुलाई 2025 में जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, इसके प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), शशिधर जगदीशन, वित्तीय वर्ष 2024-25 (FY25) के लिए भारत में सबसे अधिक वेतन पाने वाले बैंकर के रूप में उभरे हैं। उनका कुल वेतन ₹12.08 करोड़ रहा, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12% अधिक है।

- **शशिधर जगदीशन का वित्त वर्ष 2025 का ₹12.08 करोड़ का वेतन, वेतन और गैर-वेतन दोनों घटकों को मिलाकर है। उनके मूल वेतन के साथ कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ESOP) के तहत 2.12 लाख शेयर भी दिए गए, जिनका मूल्य वर्तमान बाजार दरों पर लगभग ₹42.4 करोड़ है। यह पैकेज प्रदर्शन-आधारित नेतृत्व पुरस्कारों के प्रति HDFC बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।**

- **कुल मिलाकर सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाले बैंकर होने के बावजूद, जगदीशन वित्त वर्ष 2025 में दूसरे सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाले बैंक सीईओ रहे। CEO में शीर्ष स्थान कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड (KMBL) के एमडी और CEO अशोक वासवानी को मिला, जिन्होंने ₹4 करोड़ मूल्य के 18,580 ESOP सहित कुल ₹12.95 करोड़ का वेतन अर्जित किया। वासवानी जनवरी 2024 में CEO का पदभार ग्रहण करेंगे।**

- **अशोक वासवानी का वित्त वर्ष 2025 का वेतन पैकेज उनके शुरुआती वेतन से काफ़ी ज़्यादा रहा। वित्त वर्ष 2024 की आखिरी तिमाही में, वासवानी को नियुक्ति के बाद सिर्फ़ ₹1.62 करोड़ मिले। वित्त वर्ष 2025 का उनका वेतन पैकेज उन्हें देश का सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाला बैंक CEO बनाता है, जो वेतन और इक्विटी-आधारित प्रोत्साहन, दोनों में अपने समकक्षों से आगे है।**

Key Points:-

(i) एक्सिस बैंक के MD और CEO अमिताभ चौधरी ने वित्त वर्ष 2025 में ₹9.11 करोड़ कमाए, जो वित्त वर्ष 2024 की तुलना में 5.4% की गिरावट दर्शाता है। वेतन के साथ, उन्हें ₹30 करोड़ मूल्य के 2.69 लाख ESOP दिए गए। इस गिरावट के बावजूद, उनका कुल वेतन बैंकिंग क्षेत्र में सबसे अधिक रहा।

(ii) वित्त वर्ष 2025 की वेतन सूची में अन्य प्रमुख बैंक CEOs में IDFC फर्स्ट बैंक के वी. वैद्यनाथन और ICICI बैंक के संदीप बख्शी शामिल हैं। वैद्यनाथन को ₹5.54 करोड़ का वेतन और ₹18 करोड़ मूल्य के 20,626 ईएसओपी मिले, जो साल-दर-साल 4.5% की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, बख्शी को ₹9.96 करोड़ का वार्षिक वेतन मिला, जिसका ईएसओपी मूल्य अभी सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं किया गया है।

(iii) यह रिपोर्ट भारत के बैंकिंग नेतृत्व में ESOP-संबंधित प्रोत्साहनों और प्रदर्शन-आधारित पारिश्रमिक के बढ़ते रुझानों पर प्रकाश डालती है। इक्विटी के माध्यम से धन सृजन पर बढ़ते ज़ोर के साथ, शीर्ष भारतीय बैंक CEO के वेतन ढाँचे को शेयरधारक मूल्य और दीर्घकालिक संस्थागत लक्ष्यों के अनुरूप बना रहे हैं।

2. फोर्ब्स 2025: फाल्गुनी नायर और किरण मजूमदार-शॉ वैश्विक स्तर पर 50 सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं में 31वें और 32वें स्थान पर।

जून 2025 में, फोर्ब्स ने अपनी वार्षिक "पृथ्वी की 50 सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं" की सूची जारी की। दो भारतीय उद्यमी—नाइका की संस्थापक-CEO फाल्गुनी नायर और बायोकॉन की संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. किरण मजूमदार-शॉ—क्रमशः 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर और 3.3 अरब अमेरिकी डॉलर की कुल संपत्ति के साथ 31वें और 32वें स्थान पर रहीं।

• फोर्ब्स की 2025 रैंकिंग में केवल 13 देश शामिल थे, फिर भी भारत दो स्व-निर्मित महिलाओं - नाइका की फाल्गुनी नायर और बायोकॉन की किरण मजूमदार-शॉ - के साथ 31वें और 32वें स्थान पर विशिष्ट सूची में शामिल होकर उभरा, जो महिला उद्यमिता में भारत के उदय को रेखांकित करता है।

• निवेश बैंकर से ब्यूटी मोगुल तक, 1963 में मुंबई में जन्मी, फल्गुनी नायर ने IIM अहमदाबाद से वित्त की पढ़ाई की और बाद में कोटक महिंद्रा में एमडी के रूप में शामिल हुईं। 49 साल की उम्र में, उन्होंने 2012 में 20 लाख अमेरिकी डॉलर की निजी पूंजी से नायका की स्थापना की। 2021 के IPO के बाद, नायका का मूल्यांकन आसमान छू गया, जिससे 2025 के मध्य तक उनकी कुल संपत्ति लगभग 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

• बायोटेक अग्रणी और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की अग्रणी किरण मजूमदार-शॉ, जिनका जन्म 1953 में बैंगलोर में हुआ और जिनकी शिक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया में हुई, ने 1978 में बायोकॉन लिमिटेड की स्थापना की। उनके नेतृत्व में, बायोकॉन भारत की अग्रणी बायोफार्मास्युटिकल कंपनी के रूप में उभरी। किफायती स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उनके निरंतर नवाचार ने उनकी कुल संपत्ति को 3.3 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचा दिया है।

Key Points:-

(i) वैश्विक स्तर पर, केवल 3.5% अरबपति स्व-निर्मित महिलाएं हैं, जो 2017 से 50% की वृद्धि है। 50 सूचीबद्ध स्व-निर्मित महिलाओं की कुल संयुक्त संपत्ति 276 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गई, जो प्रति महिला औसतन 5.5 बिलियन अमरीकी डॉलर है, जो धन सृजन में प्रगति और लिंग अंतर दोनों को उजागर करता है।

(ii) इस सूची में 38.8 अरब अमेरिकी डॉलर के शिपिंग कारोबार के साथ राफाएला अपोंटे-डायमेंट (स्विट्जरलैंड) शीर्ष पर हैं, उसके बाद डायने हेंड्रिक्स (अमेरिका, निर्माण सामग्री) और झोंग हुईजुआन (चीन, फार्मा) का स्थान है। ये रैंकिंग स्व-निर्मित महिला अरबपतियों के बीच उद्योग और भूगोल की विविधता को दर्शाती हैं।

(iii) नायर और मजूमदार-शॉ के अलावा, भारत में राधा वेम्बू (ज़ोहो) और कनिका टेकरीवाल (जेटसेटगो) जैसी अन्य महिलाओं ने भी अरबपति और उद्यमी रैंकिंग में तरक्की की है। उनकी सफलता भारत में व्यावसायिक नेतृत्व में लैंगिक गतिशीलता में व्यापक बदलाव का संकेत देती है।

3. ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा SBI को 'विश्व का सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक 2025' चुना गया।

जुलाई 2025 में, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) को ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका द्वारा 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक 2025' के प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित किया गया, जिसमें उपभोक्ता बैंकिंग नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक-केंद्रित सेवा वितरण में इसकी उत्कृष्टता को मान्यता दी गई।

- **यह पुरस्कार औपचारिक रूप से एसबीआई के अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु (CS) शेट्टी को 18 अक्टूबर 2025 को वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक (WB) की वार्षिक बैठकों के दौरान प्रदान किया जाएगा। यह निर्णय दुनिया भर के विश्लेषकों और वित्त विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टि द्वारा समर्थित एक व्यापक संपादकीय समीक्षा के बाद लिया गया है।**

- **"विश्व का सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक" ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका के विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार 2025 का हिस्सा है, जो 150 से ज़्यादा देशों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले वैश्विक बैंकों को उनके नवाचारों, डिजिटल समावेशन और सेवा गुणवत्ता के लिए सम्मानित करता है। यह पहली बार है जब एसबीआई ने वैश्विक उपभोक्ता बैंकिंग श्रेणी में यह विशेष खिताब जीता है।**

- **2025 में अन्य प्रमुख वैश्विक विजेताओं में सोसाइटी जेनरल (फ्रांस) को विश्व का सर्वश्रेष्ठ बैंक और विश्व का सर्वश्रेष्ठ फ्रंटियर मार्केट बैंक, बीबीवीए (स्पेन) को विश्व का सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक, जे.पी. मॉर्गन (USA) को विश्व का सर्वश्रेष्ठ उभरते बाजार बैंक और सीआईबीसी मेलॉन (कनाडा) को विश्व का सर्वश्रेष्ठ उप-कस्टोडियन बैंक का पुरस्कार शामिल है।**

Key Points:-

(i) SBI को डिजिटल नवाचार नेतृत्व के लिए मान्यता दी गई, जिसमें ग्लोबल फाइनेंस ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मजबूत मोबाइल बैंकिंग बुनियादी ढांचे, एआई-आधारित हाइपर-वैयक्तिकरण, स्थानीय UI अपनाने, ओमनीचैनल जुड़ाव और वास्तविक समय ग्राहक सहायता के निर्माण में SBI के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

(ii) मार्च 2025 तक, SBI 52 करोड़ से ज़्यादा ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, जिसकी कुल जमा राशि 53.82 लाख करोड़ रुपये है। इसका चालू खाता बचत खाता (CASA) अनुपात 39.97% रहा और बचत खातों की कुल संख्या 42.20 करोड़ से ज़्यादा हो गई, जो भारतीय नागरिकों के बीच इसकी व्यापक वित्तीय पहुँच और विश्वास को दर्शाता है।

(iii) 1 जुलाई 1955 को स्थापित, SBI का मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में है। अध्यक्ष सी.एस. शेट्टी के नेतृत्व में, यह भारतीय बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार, समावेशन और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए अपनी वैश्विक उपस्थिति का निरंतर विस्तार कर रहा है।

IMPORTANT DAYS

1. विश्व शतरंज दिवस 20 जुलाई 2025 को मनाया जाएगा।

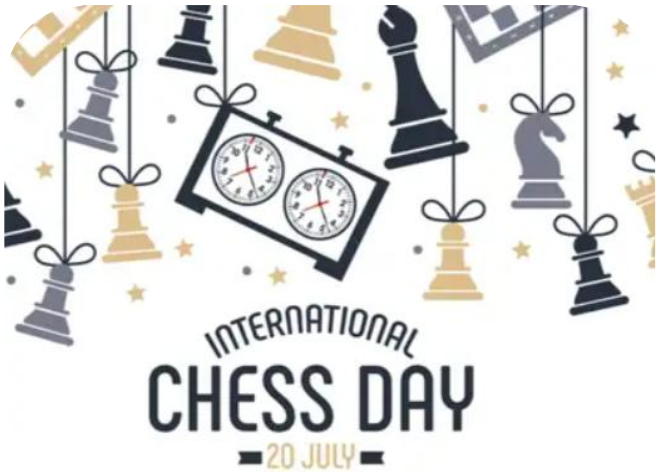

विश्व शतरंज दिवस हर साल 20 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ, FIDE (फेडरेशन इंटरनेशनेल डेस एचेक्स) की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 1924 में पेरिस में हुई थी। 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मान्यता प्राप्त, यह दिवस शतरंज को एक खेल से कहीं अधिक के रूप में मनाता है - शिक्षा, मानसिक शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देता है।

- **विश्व शतरंज दिवस का प्रस्ताव सबसे पहले UNESCO ने 1966 में रखा था और दिसंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र ने इसे आधिकारिक मान्यता दी। इस प्रस्ताव में शतरंज को एक वैश्विक गतिविधि के रूप में मान्यता दी गई जो निष्पक्षता, समावेशिता और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा देती है। भाषा, आयु, लिंग और सामाजिक-आर्थिक बाधाओं को पार करने की इस खेल की क्षमता इसे कूटनीति और शिक्षा का एक शक्तिशाली माध्यम बनाती है।**

- **2025 में, विश्व शतरंज दिवस को "हर चाल मायने रखती है" थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो कि FIDE की सामाजिक शतरंज वर्ष की घोषणा के अनुरूप है।**

- **यह पहल असमानता, शिक्षा में अंतराल और सामुदायिक सहभागिता जैसे सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए शतरंज के उपयोग पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य शतरंज को जीवन के हर क्षेत्र के लोगों तक पहुँचाना है—स्कूलों और जेलों से लेकर शरणार्थी शिविरों और अस्पतालों तक।**

Key Points:-

(i) 2025 के समारोहों में वैश्विक ऑनलाइन कार्यक्रम, शैक्षिक कार्यशालाएँ और विशेष पहल शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि Lichess.org और Chess.com जैसे प्लेटफार्मों के साथ साझेदारी में आयोजित एक 24 घंटे का ब्लिट्ज टूर्नामेंट दुनिया भर में आयोजित किया जा रहा है। सहज और समावेशी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों, स्कूलों और सामुदायिक हॉलों को शतरंज केंद्रों में बदला जा रहा है।

(ii) पिछले वर्ष (2024) विश्व शतरंज दिवस ने दुनिया भर में 350 से ज़्यादा आयोजनों में एक ही दिन में 7.28 मिलियन से ज़्यादा ऑनलाइन शतरंज खेल खेलकर गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर दुनिया भर में सुर्खियाँ बटोरीं। इसी गति को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष के प्रयासों का उद्देश्य इस खेल को पेशेवर शतरंज समुदाय से परे लोगों के लिए और अधिक सुलभ और प्रासंगिक बनाना है।

(iii) विश्व शतरंज दिवस शतरंज को "मन की व्यायामशाला" के रूप में बढ़ावा देता है, क्योंकि यह एकाग्रता, स्मृति, धैर्य और योजना बनाने पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। किंडरगार्टन से लेकर वरिष्ठ नागरिकों के घरों तक, इस खेल को संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ाने और शांतिपूर्ण सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देने के एक साधन के रूप में पेश किया जा रहा है, जो वास्तव में इस वैश्विक उत्सव पर मनाए जाने वाले मूल्यों को दर्शाता है।

2. अंतर्राष्ट्रीय चन्द्र दिवस 20 जुलाई 2025 को मनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय चंद्र दिवस 1969 में ऐतिहासिक अपोलो 11 चंद्रमा लैंडिंग के उपलक्ष्य में 20 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आधिकारिक रूप से घोषित, यह दिन चंद्र अन्वेषण, सतत अंतरिक्ष विकास, वैज्ञानिक नवाचार और शांतिपूर्ण सहयोग के बारे में वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देता है।

- **अंतर्राष्ट्रीय चन्द्र दिवस की जड़ें मून विलेज एसोसिएशन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग समिति (COPUOS) को दिए गए प्रस्ताव में निहित हैं।**

- **इसके परिणामस्वरूप 9 दिसंबर 2021 को UNGA संकल्प 76/76 पारित हुआ, जिसमें अपोलो 11 की उपलब्धि को मनाने के महत्व को स्वीकार किया गया और मानवता की साझा विरासत के लिए जिम्मेदार चंद्र प्रबंधन को प्रोत्साहित किया गया।**

Key Points:-

(i) संयुक्त राष्ट्र बाह्य अंतरिक्ष मामलों के कार्यालय (UNOOSA) द्वारा निर्धारित 2025 का विषय, "एक चंद्रमा, एक दृष्टि, एक भविष्य", चंद्र विज्ञान में वैश्विक एकता पर ज़ोर देता है। इसके मुख्य क्षेत्रों में अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान में सामूहिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए नासा के आर्टेमिस, भारत के चंद्रयान-3 और चीन के चांग'ई कार्यक्रमों जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समन्वय शामिल है।

(ii) दुनिया भर में मनाए जाने वाले, 2025 में अंतर्राष्ट्रीय चंद्र दिवस के कार्यक्रमों में सार्वजनिक दूरबीन कार्यक्रम, विशेषज्ञ व्याख्यान, स्कूल कार्यशालाएँ और संयुक्त अरब अमीरात के दुबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक बड़ा सम्मेलन शामिल है, जो वैज्ञानिकों, छात्रों और नीति निर्माताओं को एकजुट करेगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषकों को प्रेरित करना और 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि के अनुसार बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण और सतत उपयोग को बढ़ावा देने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को सुदृढ़ करना है।

3. नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2025 – 18 जुलाई को विश्व स्तर पर मनाया गया।

नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2025, लोकतंत्र, शांति, समानता और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता के लिए नेल्सन रोलिहलाहला मंडेला की विरासत को सम्मान देने के लिए 18 जुलाई 2025 को दुनिया भर में मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त यह दिवस सामूहिक नागरिक उत्तरदायित्व, स्वयंसेवा और असमानता एवं गरीबी के विरुद्ध कार्रवाई को बढ़ावा देता है।

- **यह अंतर्राष्ट्रीय दिवस दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति और 1993 के नोबेल शांति पुरस्कार**

विजेता नेल्सन मंडेला की जयंती के साथ मनाया जाता है।

• इस दिन का उद्देश्य विश्व भर के लोगों को 67 मिनट सेवा के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित करना है - प्रत्येक वर्ष के लिए एक मिनट, जो मंडेला ने सामाजिक न्याय और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते हुए बिताया।

Key Points:-

(i) 2025 में, मंडेला दिवस का विषय था, "गरीबी और असमानता से लड़ना अभी भी हमारे हाथ में है", जो सामुदायिक सहभागिता, जनभागीदारी और वैश्विक विकास प्रक्रियाओं में समावेशन के माध्यम से मंडेला के आदर्शों पर अमल करने की तात्कालिकता को दर्शाता है। इसका मुख्य उद्देश्य साझा ज़िम्मेदारी और नेल्सन मंडेला के दृष्टिकोण को क्रियाशील परिवर्तन में बदलना है।

(ii) इस दिवस को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा 10 नवंबर 2009 को पारित प्रस्ताव A/RES/64/13 के माध्यम से आधिकारिक मान्यता दी गई है, जिसके तहत प्रत्येक वर्ष 18 जुलाई को नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया गया है। यह प्रस्ताव दुनिया भर में मानवीय गरिमा, सामाजिक न्याय और शांति को बढ़ावा देने में मंडेला की भूमिका को मान्यता देता है।

(iii) संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस का पहला आयोजन 18 जुलाई 2010 को हुआ था। तब से, यह विशेष रूप से विकासशील देशों में लोकतंत्र, सुलह और समानता को बढ़ावा देने के माध्यम से एक न्यायपूर्ण विश्व के निर्माण में मंडेला के वैश्विक योगदान को प्रतिबिंबित करने के लिए एक वार्षिक मंच बन गया है।

DEFENCE

1. INS निस्तार का जलावतरण: भारत का पहला स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत नौसेना की बचाव क्षमताओं को बढ़ाएगा।

18 जुलाई 2025 को, भारत के पहले स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (DSV) INS INS Nistar को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में सेवा में शामिल किया गया। इस कमीशनिंग समारोह की अध्यक्षता रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी इसमें शामिल हुए।

• हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (HSL) द्वारा निर्मित, INS निस्टार में 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, और इसके डिज़ाइन और निर्माण में 120 से अधिक भारतीय एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) शामिल हैं। यह उपलब्धि राष्ट्रीय रक्षा विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहलों के अनुरूप है।

• लगभग 118 मीटर लंबाई, 22 मीटर चौड़ाई और लगभग 10,000 टन विस्थापन के साथ, INS Nistar 300 मीटर तक संतृप्ति डाइविंग कर सकता है और अपने विशेष डाइविंग कॉम्प्लेक्स, ROVs, साइड-स्कैन सोनार और 15-टन सबसी क्रेन का उपयोग करके जटिल पनडुब्बी बचाव मिशनों का समर्थन कर सकता है।

• डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल (DSRV) के लिए "मदर शिप" के रूप में सेवा करने के लिए सुसज्जित, आईएनएसनिस्टार में एक डायनेमिक पोजिशनिंग सिस्टम (डीपी-II), हाइपरबेरिक मेडिकल सुविधाएं, एक ऑपरेटिंग थिएटर, आईसीयू और आठ बेड वाला अस्पताल शामिल है, जो विस्तारित गहरे समुद्र मिशन और आपातकालीन चिकित्सा सहायता को सक्षम बनाता है।

Key Points:-

(i) रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भारतीय महासागर क्षेत्र में भारत को "प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता" और "पसंदीदा सुरक्षा साझेदार" के रूप में मजबूत करने में आईएनएस निस्टार की रणनीतिक भूमिका पर जोर दिया। नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी ने इसे न केवल एक तकनीकी परिसंपत्ति, बल्कि क्षेत्रीय पनडुब्बी-बचाव सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण परिचालन प्रवर्तक के रूप में सराहना की।

(ii) इस पोत का नाम इसके 1971 के पूर्ववर्ती, INS निस्टार के नाम पर रखा गया है, जिसने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तानी पनडुब्बी गाज़ी का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पिछले पोत के पहले चालक दल ने इस जलावतरण समारोह में भाग लिया, जो अतीत की वीरता को भविष्य की तत्परता से जोड़ता है।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. भारतीय सेना ने लद्दाख में उच्च ऊंचाई पर आकाश प्राइम मिसाइल प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

16 जुलाई, 2025 को, भारतीय सेना (IA) ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पास पूर्वी लद्दाख सेक्टर में उन्नत आकाश प्राइम मिसाइल प्रणाली का उच्च-ऊंचाई वाला उत्पादन मॉडल परीक्षण सफलतापूर्वक किया। यह परीक्षण लगभग 4,500 मीटर (15,000 फीट) की ऊँचाई पर किया गया ताकि विषम भूभाग और मौसम की परिस्थितियों में इसकी युद्धक तत्परता का आकलन किया जा सके।

• आकाश प्राइम मिसाइल प्रणाली, आकाश हथियार प्रणाली का एक उन्नत संस्करण है, जिसे उच्च-ऊंचाई वाली हवाई रक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है। दो दिवसीय परीक्षण अवधि के दौरान, मिसाइल ने दो उच्च-गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदकर उन्हें निष्क्रिय कर दिया, जिससे पर्वतीय सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनाती के लिए इसकी बेहतर प्रतिक्रिया क्षमताओं और परिचालन दक्षता का प्रदर्शन हुआ।

• इस उच्च-ऊंचाई परीक्षण का नेतृत्व भारतीय सेना के आर्मी एयर डिफेंस कोर (AAD) ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के सहयोग से किया।

• परीक्षण में हैदराबाद, तेलंगाना स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) और बेंगलुरु, कर्नाटक स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) जैसे औद्योगिक साझेदार शामिल थे।

Key Points:-

(i) आकाश प्राइम, DRDO द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसे विशेष रूप से अधिक ऊँचाई पर शत्रुतापूर्ण हवाई खतरों को रोकने के लिए अनुकूलित किया गया है, और यह ठंडे मौसम और जटिल भूभागों में बेहतर प्रदर्शन करती है। यह बेहतर सटीकता के लिए एक नए स्वदेशी सक्रिय रेडियो फ्रीक्वेंसी (RF) सीकर से लैस है, जो इसे पहले के आकाश संस्करणों की तुलना में अधिक प्रभावी बनाता है।

इसके अतिरिक्त, 17 जुलाई, 2025 को, भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से परमाणु-सक्षम कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों (SRBMs) – पृथ्वी-II और अग्नि-I का भी सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ये सामरिक परीक्षण सामरिक बल कमान (SFC) द्वारा नियमित तैयारी आकलन के एक भाग के रूप में किए गए।

ENVIRONMENT

1. पश्चिमी घाट में नई लाइकेन प्रजाति एलोग्राफा इफ्यूसोरेडिका की खोज की गई।

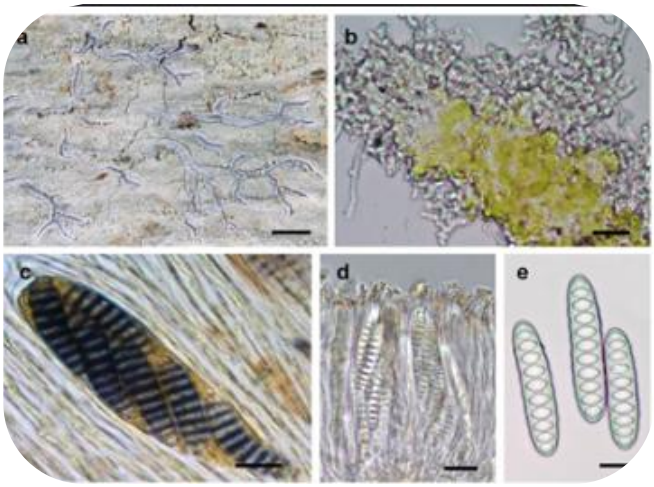

जुलाई 2025 के मध्य में, MACS-अघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन) के शोधकर्ताओं ने पश्चिमी घाट में खोजी गई एक नई क्रस्टोज़ लाइकेन प्रजाति, एलोग्राफा इफ्यूसोसोरेडिका, का औपचारिक रूप से वर्णन किया। यह भारत में पहली आणविक रूप से अनुक्रमित एलोग्राफा प्रजाति है, जो प्राचीन सहजीवन पर प्रकाश डालती है।

- **एलोग्राफा इफ्यूसोसोरेडिका प्रजाति की पहचान एंसिल पी.ए., राजेशकुमार के.सी., लुकिंग आर. और शर्मा बी.ओ. के नेतृत्व वाली एक टीम ने एकीकृत रूपात्मक, रासायनिक और आणविक विश्लेषण (कवक के लिए mtSSU, LSU, RPB2; शैवाल साथी के लिए ITS) के माध्यम से की। इस कार्य को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के अंतर्गत पुणे स्थित MACS-अघारकर अनुसंधान संस्थान द्वारा समर्थित किया गया था।**

- **इस क्रस्टोज़ लाइकेन में एक पतला, विसरित सोरेडिएट (रिसाव वाला) थैलस होता है जिसमें नॉरस्टिक्टिक अम्ल होता है—जो इस प्रजाति का एक दुर्लभ यौगिक है। यह आठ-बीजाणुयुक्त एस्किमोस बनाता है जिसमें 7-11 सेप्टा वाले अनुप्रस्थ सेप्टेट एस्कोस्पोर्स होते हैं। इसकी आकृति सतही तौर पर ग्राफिस ग्लौसेसेंस के समान है, लेकिन आनुवंशिक विश्लेषण इसे एलोग्राफा के अंतर्गत रखता है, जो ए. ज़ैंथोस्पोरा से निकटता से संबंधित है।**

- **यह सहजीवी फोटोबायोन्ट ट्रेंटेपोहलिया (अर्बोरम से मिलता-जुलता) का एक प्रकार है, जिससे यह भारत के उन पहले उष्णकटिबंधीय लाइकेन में से एक बन गया है जिनके शैवाल घटक की आणविक रूप से पहचान की गई थी। यह पश्चिमी घाट जैसे जैवविविध पारिस्थितिक तंत्रों में स्थानीय कवक-शैवाल सह-अनुकूलन के महत्व को दर्शाता है।**

Key Points:-

(i) एलोग्राफा इफ्यूसोरेडिका अब भारत में दर्ज की गई 53वीं एलोग्राफा प्रजाति है और अकेले पश्चिमी घाट क्षेत्र में 22वीं। यह आणविक स्तर पर अनुक्रमित

पहली भारतीय एलोग्राफा प्रजाति भी है—जो भारतीय लाइकेन विज्ञान में एक मील का पत्थर है।

(ii) ए. इफ्यूसोरेडिका जैसे लाइकेन पारिस्थितिक तंत्र में विविध भूमिकाएँ निभाते हैं—मृदा निर्माण और कीट खाद्य स्रोतों से लेकर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के संवेदनशील जैवसूचक के रूप में कार्य करने तक। यहाँ प्रयुक्त एकीकृत वर्गीकरण दृष्टिकोण छिपी हुई जैव विविधता को उजागर करता है और पश्चिमी घाट के नाजुक आवास के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देता है।

(iii) शास्त्रीय आकारिकी, रासायनिक रूपरेखा (जैसे नॉरस्टिक्टिक अम्ल का पता लगाना), और कवक व शैवाल दोनों के डीएनए अनुक्रमण को मिलाकर बहु-चरणीय वर्गीकरण के माध्यम से, यह अध्ययन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में लाइकेन वर्गीकरण के लिए एक मज़बूत मॉडल स्थापित करता है। यह एलोग्राफा और समान वंश ग्राफिस के बीच अंतर के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है, और कवक प्रणालीविज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाता है।

Static GK

Bihar	मुख्यमंत्री: नीतीश कुमार	राज्यपाल: आरिफ मोहम्मद खान
United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO)	अध्यक्ष : ऑड्रे अज़ोले	मुख्यालय : पेरिस, फ्रांस
HDFC Bank Limited	MD और CEO : शशिधर जगदीशन	मुख्यालय: मुंबई
Forbes	CEO: शेरी फिलिप्स	मुख्यालय : न्यू जर्सी, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)
State Bank of India (SBI)	अध्यक्ष : चल्ला श्रीनिवासुलु (CS) शेट्टी	मुख्यालय: मुंबई
Ukraine	राष्ट्रपति: वलोडिमिर ज़ेलेंस्की	प्रधान मंत्री: यूलिया स्विरिडेंको
Archaeological Survey of India (ASI)	महानिदेशक (DG) : यदुबीर सिंह रावत	मुख्यालय: नई दिल्ली